राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 257 | जौनपुर | बुधवार, 07 मई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

आपरेशन सिन्दूर की सफलता पर खुशी जताई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पहलगाम में 26 हिन्दुओं की हत्या का बदला लेने के लिए ऑपरेशन सिन्दूर से पाकिस्तान में 9 स्थानों पर आतंकवादियों के स्थानों को तहस–नहस करने व आतंकवादियों को मारकर बदला लेने पर विवेक खण्ड 3, गोमतीनगर के नागरिकों ने खुशी जताई तथा भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी तथा सेना के जांबाज सैनिकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भारत माता की जय, वन्देमातरम आदि नारों के साथ पाकिस्तान को चेताया कि षसिन्दूर तो सिर्फ झांकी है, मेंहदी, हल्दी अभी बाकी है। इस अवसर पर ग्रेटर लखनऊ जनकल्याण महासमिति के अध्यक्ष रूप कुमार शर्मा ने कहा कि सरकार के द्वारा आतंकवादियों के खिलाफ पाकिस्तान में घुसकर मारने पर पहलगाम हमले में शहीद हुए।

संक्षिप्त समाचार

मसूद अजहर तो बच गया लेकिन उसकी बहन समेत परिवार के 10 सदस्य ढेर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एक बड़े घटनाक्रम में, जैश–ए–मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर के 10 परिवार के सदस्य, जिनमें उसकी बहन भी शामिल है, बुधवार की सुबह पहलगाम आतंकी हमले के प्रतिशोध में पाकिस्तान और पीओके में भारतीय हवाई हमलों में मारे गए। हमलों में मारे गए परिवार के सदस्यों में संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित आतंकवादी का साला भी शामिल था। भारत ने बुधवार तड़के पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में विभिन्न आतंकवादियों के कई आतंकी शिविरों पर सफल हमला किया। यह हमला 22 अप्रैल के पहलगाम हमले का बदला है, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई थी। सरकार ने बुधवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम देकर भारत ने पहलगाम जैसे सीमापार हमलों पर जवाब देने, उन्हें रोकने और धता बताने के अपने अधिकार का इस्तेमाल किया है। सरकार ने इस बात पर जोर दिया कि उसका ध्यान आतंकी ढांचे को नष्ट करने और आतंकवादियों को निष्क्रिय करने पर केंद्रित है। भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान तथा उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए जाने के बाद विदेश सचिव विक्रम मिसरी, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह की प्रेस ब्रीफिंग में यह बयान जारी किया गया।

ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने लिया पहलगाम का बदला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेते भारत की ओर से ये कदम उठाया गया है। इस मिशन को पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का नाम दिया है। इस ऑपरेशन में लश्कर–ए–तैयबा के हेडक्वॉर्टर को तबाह किया गया है। ये हमला छह मई की देर रात को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर हुआ है। इस हमले के बाद रक्षा मंत्रालय ने देर रात एक बजकर 44 मिनट पर एक बयान में इस हमले की जानकारी दी है। रक्षा मंत्रालय ने कहा, ''कुछ समय पहले, भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू–कश्मीर में उन आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर हमला करते हुए ऑपरेशन सिन्दूर शुरू किया जहां से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों का मंसूबा बनाया गया और इसे निर्देशित किया गया।'' पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारतीय मिसाइल हमलों को ''युद्ध की कार्रवाई'' करार दिया और कहा कि उनके देश को ''उचित जवाब'' देने का पूरा अधिकार है। बयान में कहा गया कि भारत ने इस कार्रवाई में किसी भी पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना नहीं बनाया है। भारत ने लक्ष्य के चयन और क्रियान्वयन के तरीके में काफी संयम दिखाया है।'' इसमें कहा गया कि भारतीय सशस्त्र बलों की कार्रवाई । केंद्रित और नपी–तुली थी।

पीएम मोदी ने पाकिस्तान को बताई 1 चुटकी सिंदूर की कीमत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम के बैसरन क्षेत्र में हुए नृशंस आतंकी हमले ने न सिर्फ देश को झकझोरा, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह कसम खाने पर मजबूर कर दिया कि हमलावरों को दुनिया के किसी भी कोने में हो, खोजकर सजा दी जाएगी। और अब, 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए भारत ने उस वादे की पहली किश्त चुका दी है। महाकाल मंदिर में 'भारत माता की जय' के नारे उज्जैन के महाकाल मंदिर में भस्म आरती के दौरान जैसे ही भारत की सैन्य कार्रवाई की खबर पहुंची, श्रद्धालुओं ने मिठाइयां बांटीं और भारत माता की जय के नारे लगाए। महिलाओं ने कहारू ष्पीएम मोदी ने आज पाकिस्तान को एक चुटकी सिंदूर की कीमत समझा दी है। अब उनका डर दिखना चाहिए – शहीद की पत्नी का भावुक बयान एमपी के इंदौर निवासी शहीद सुशील नथानियल की पत्नी जेनिफर नथानियल ने भारत की कार्रवाई को सही वक्त पर लिया गया फैसला बताया। उन्होंने कहा अब उन चार आतंकियों को भी मारना चाहिए जो मेरी आंखों के सामने हैं.. और जो उन्हें सिखा रहे हैं, उन्हें भी। अब डर उनके चेहरों पर नजर आना चाहिए। भोपाल की 56 दुकान बनी देशभक्ति का अड्डा भारत की जवाबी कार्रवाई की खबर फैलते ही भोपाल की मशहूर 56 दुकान में उत्सव का माहौल बन गया। गुंजन शर्मा, जो इस इलाके के संगठन प्रमुख हैं, ने घोषणा कीरू ष्आज जो खाना है, सब मुफ्त है। भारत की जीत है, और ये जश्न देश के नाम है। अब जड़ से उखाड़ना है आतंकवादष दृ संस्कृति बचाओ मंच भोपाल में 'संस्कृति बचाओ मंच' के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने प्रधानमंत्री और सेना की प्रशंसा करते हुए कहारू ष्यह साहसी कदम स्वागत योग्य है लेकिन हम तब तक संतुष्ट नहीं होंगे जब तक आतंक का वह खूंटा न उखड़ जाए जिस पर आतंकवादी उल्लू बैठते हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने भारत की नीति में आए बदलाव को स्पष्ट कर दिया है दृ अब हमले का जवाब वक्त और सटीकता से मिलेगा। जहां एक ओर जनता खुशी से झूम रही है, वहीं यह भी साफ है कि देश अब केवल बदले से नहीं, स्थायी समाधान की ओर देख रहा है।

अब प्रदेश के युवाओं को निजी सेक्टर में भी मिलेगा शानदार वेतन

लखनऊ, (एजेंसी)। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर (विनिर्माण क्षेत्र) की वैश्विक कंपनियों के साथ अब सेवा क्षेत्र की भी दिग्गज बहुराष्ट्रीय कंपनियां यूपी में आएंगी। इसके लिए कैबिनेट ने यूपी ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) नीति को मंजूरी दी है। इसका उद्देश्य आईटी, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं, बीमा, हेल्थकेयर, ऑटोमोटिव, टेलीकॉम क्षेत्र की वैश्विक कंपनियों को यूपी में निवेश के लिए आकर्षित करना है। इस क्षेत्र में बेहद शानदार वेतन मिलता है जिसका लाभ हर वर्ष न्यूनतम प्रदेश के दो लाख युवाओं को मिलेगा। प्रदेश में सेवा क्षेत्र यानी सर्विस सेक्टर में काफी संभावनाएं हैं। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 90 फीसदी नौकरियां अधिकतम 60 से 70 हजार रुपये महीना तक हैं, जबकि सर्विस सेक्टर में एक लाख से पांच लाख रुपये महीना सामान्य पैकेज है। इसे देखते हुए नोएडा, ग्रेटर नोएडा, लखनऊ, कानपुर, वाराणसी और प्रयागराज को जीसीसी नीति के तहत सेवा क्षेत्र के गढ़ के रूप में विकसित किया जाएगा। इसका सीधा फायदा हर वर्ष विभिन्न संस्थानों से निकलने वाले 15 लाख युवाओं को मिलेगा। इनमें 60 हजार से ज्यादा इंजीनियरिंग व आईटी स्नातक होंगे।

ऑपरेशन सिंदूर पर सामने आई राकेश टिकैत की प्रतिक्रिया किसान नेता ने लिया यह बड़ा फैसला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑपरेशन सिन्दूर के बाद देश में अलग–अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रहीं हैं. इसी कड़ी में किसान नेता और भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने भारतीय सेना के पराक्रम और ऑपरेशन सिन्दूर पर बधाई दी है. उन्होंने कहा वे भारतीय सेना और भारत सरकार के हर फैसले के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं. इसके साथ ही उत्पन्न तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए राकेश टिकैत ने सभी धरना–प्रदर्शन और आंदोलन तत्काल प्रभाव से स्थगित करने की घोषणा की है. उन्होंने इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया हैंडल्स फेसबुक और एक्स पर साझा की। राकेश टिकैत ने अपने बयान में कहा कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए किसानों के हित में सभी प्रदर्शन स्थगित किए जा रहे हैं. हम शांति और सहयोग के पक्षधर हैं। इसी तरह, भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत ने भी आंदोलन से संबंधित सभी आगामी कार्यक्रम, धरने और प्रदर्शन स्थगित करने की घोषणा की. उन्होंने स्थानीय पुलिस प्रशासन से सहयोग की अपील करते हुए कहा, हम प्रशासन के साथ मिलकर स्थिति को सामान्य बनाने में सहयोग करेंगे सभी किसान भाइयों से शांति बनाए रखने की अपील है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब ऑपरेशन सिन्दूर के बाद देश के कई हिस्सों में तनाव की स्थिति बनी हुई है. किसान नेताओं का यह कदम माहौल को शांत करने और किसी भी तरह की अस्थिरता को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है. बीकेयू के दोनों नेताओं ने किसानों और समर्थकों से शांति बनाए रखने और प्रशासन का सहयोग करने का अनुरोध किया है. सोशल मीडिया पर भी उनके इस फैसले को लेकर व्यापक चर्चा हो रही है।

पीएम मोदी की नॉर्वे, क्रोएशिया और नीदरलैंड की यात्रा स्थगित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नॉर्वे, क्रोएशिया और नीदरलैंड की यात्रा स्थगित कर दी गई है। पाकिस्तान और पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर भारत की स्ट्राइक के बाद यह फैसला लिया गया है। इस मिशन को ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूरोप की तीन देशों की यात्रा रद्द कर दी गई है। मोदी 13 से 17 मई तक क्रोएशिया, नॉर्वे और नीदरलैंड की यात्रा करने वाले थे। प्रधानमंत्री को नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए नॉर्वे जाना था। संबंधित देशों को इस निर्णय के बारे में सूचित कर दिया गया है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने अपना रूस दौरा भी स्थगित कर दिया था। प्रधानमंत्री 9 मई को मॉस्को में होने वाली विजय दिवस परेड में शामिल होने वाले थे। पीएम मोदी को विजय दिवस परेड के लिए रूस ने आमंत्रित किया था। हालांकि, जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर भारत–पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव की वजह से पीएम मोदी ने अपना दौरा टाल दिया। इससे पहले भारत ने पहलगाम का बदला लेते हुए पाकिस्तान और पीओके के अंदर आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। इसमें आतंकी सरगना हाफिज सईद और मसूद अजहर के ठिकाने शामिल हैं। भारत ने मुजफ्फराबाद, बहावलपुर, मुरीदके, सियालकोट और कोटली में आतंक के ठिकानों को निशाना बनाया। देश की तीनों सेनाओं ने मिलकर इस मिशन को अंजाम दिया। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कल अंतरिक्ष अन्वेषण पर वैश्विक सम्मेलन के लिए रिकॉर्ड किया गया वीडियो संदेश प्रसारित किया गया।

पीएम मोदी ने कहा, श्अंतरिक्ष सिर्फ एक गंतव्य नहीं है। यह जिज्ञासा, साहस और सामूहिक प्रगति की घोषणा है। भारतीय अंतरिक्ष यात्रा इसी भावना को दर्शाती है। 1963 में एक छोटे रॉकेट को लॉन्च करने से लेकर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला पहला देश बनने तक, हमारी यात्रा उल्लेखनीय रही है।

पहले पाक में 100 किमी अंदर घुसकर मचाया तांडव, फिर हिंदू-मुस्लिम एंगल को किया ध्वस्त

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लश्कर, जैश के आतंकी ठिकानों को मिट्टी में मिलाने के बाद भारतीय सेना ने प्रेस ब्रीफिंग की और उसमें बहुत बातें भारतीय सेना की तरफ से बताई गई हैं और तमाम एजेंडे को भी ध्वस्त किया गया है। सोफिया कुरैशी को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बिठाने का मकसद ही ये था कि पाकिस्तान के प्रोपोगेंडा मशीन और हिंदू–मुस्लिम एंगल को ध्वस्त किया जाए। इसलिए एक मुस्लिम महिला को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बिठाया गया। इसके अलावा वुमेन पावर की झलक भी नजरआई। पूरी दुनिया ने देखा कि कैसे भारतीय सेना और वायु सेना की ओर से दो महिलाओं ने आकर प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। पाकिस्तान और भारत में यही फर्क है। वहां तो सिविलियन सरकार को भी नहीं करने दिया जा रहा है। लेकिन हमारे यहां भारत के रिप्रजेंटेशन में महिलाओं को ज्यादा तव्ज्यो दी गई। भारत ने जो भी ऑपरेशन किए हैं वो यूएनओ चार्टर के अनुरूप हैं। यूएनओ चार्टर संयुक्त राष्ट्र का एक संस्थापक दस्तावेज है। यह संयुक्त राष्ट्र की आधारभूत संधि है, जिसमें संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्यों, शासी संरचना और समग्र रूपरेखा को स्थापित किया गया है। इसमें 111 अनुच्छेद हैं जो 19 अध्यायों में विभाजित हैं। हमने बहुत संयमित रूप से सिर्फ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया है। लेकिन इसके ठीक उलट पाकिस्तान की ओर से हमारे यहां कश्मीर में आम लोगों के घर पर सिख और मुस्लिम गांवों पर हमला किया है। पाकिस्तान ने जंग मुस्लिमों और सिखों के खिलाफ छेड़ा हुआ है। इससे साफ होता है कि पाकिस्तान की फौज किसी की भी नहीं हैं। साफ है कि पाकिस्तानी फौज जब बौखलाते हैं तो वो किसी के भी नहीं हैं चाहे वो मुस्लिम ही क्यों न हो। पिछले कुछ रिपोर्ट बताते हैं कि पाकिस्तानी आर्मी ने पिछले 9 सालों में 13 हजार पाकिस्तानी मुस्लमानों का कत्ल किया है। इससे ज्यादा रक्तपात अपने देश के लोगों के खिलाफ किसी देश की फौज ने नहीं किया है। कर्नल सोफिया कुरैशी भारतीय सेना की सिग्नल कोर की अधिकारी हैं। कुरैशी वर्ष 2016 में 'एक्सरसाइज फोर्स–18' (18 देशों का संयुक्त सैन्य अभ्यास) में भारतीय दल का नेतृत्व करने वाली पहली महिला अधिकारी बनीं। ऑपरेशन सिंदूर की प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कर्नल कुरैशी ने सैन्य कार्रवाई की रणनीति और परिणामों को विस्तार से प्रस्तुत किया।

खड़गे ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की बुलाई आपात बैठक, सुरक्षा हालात पर होगा विचार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मौजूदा सुरक्षा स्थिति पर चर्चा के लिए बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में मौजूद वरिष्ठ नेताओं की एक अनौपचारिक आपात बैठक बुलाई है। वेणुगोपाल ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर एक पोस्ट शेयर कर इस घटनाक्रम की जानकारी दी। वेणुगोपाल की पोस्ट में लिखा है, "कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मौजूदा सुरक्षा स्थिति पर चर्चा के लिए आज दोपहर 3 बजे 24 अकबर रोड पर दिल्ली में मौजूद वरिष्ठ नेताओं की एक अनौपचारिक आपात बैठक बुलाई है इस बीच भारत सरकार ने गुरुवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "सरकार ने 8 मई, 2025 को सुबह 11 बजे नई दिल्ली में संसद पुस्तकालय भवन में समिति कक्षरू जी–074 में सर्वदलीय नेताओं की बैठक बुलाई है।" सरकार ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद एक सर्वदलीय बैठक बुलाई थी और विपक्षी दलों ने पहलगाम आतंकवादी हमले के अपराधियों के खिलाफ किसी भी कार्रवाई के लिए सरकार को अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त किया था। ऑपरेशन सिंदूर पर आज मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए, जिसमें आतंकी शिविरों को निशाना बनाया गया था, विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि भारतीय खुफिया एजेंसियां घ्आतंकवादी गतिविधियों पर नजर रख रही हैं।

जस्टिस यशवंत वर्मा के घर में कैश केस पर कमेटी ने सौंपी चीफ जस्टिस को रिपोर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त इन–हाउस जांच समिति ने भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को सौंपी अपनी रिपोर्ट के अनुसार 14 मार्च की रात को आग लगने के दौरान हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास पर नकदी पाए जाने की पुष्टि की है। इस घटनाक्रम से अवगत सूत्रों ने इंडिया टुडे को पुष्टि की है कि भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के निर्देश पर जस्टिस यशवंत वर्मा को रिपोर्ट भेजी गई है। जस्टिस वर्मा को निष्कर्षों पर प्रतिक्रिया देने के लिए दो दिन का समय दिया गया है। यह समझा जाता है कि ऐसा प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप किया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आगे की कार्रवाई करने से पहले न्यायमूर्ति वर्मा को जवाब देने का उचित अवसर दिया जा सके। जस्टिस यशवंत वर्मा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद से इस्तीफा देने का विकल्प दिया गया है। अगर वह इस्तीफा देने से इनकार करते हैं, तो उनके खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू करनी पड़ सकती है। उम्मीद है कि जस्टिस वर्मा सप्ताह के अंत तक सीजेआई के समक्ष अपना जवाब पेश करेंगे। महत्वपूर्ण बात यह है कि सूत्रों ने इंडिया टुडे को यह भी बताया है कि श्री संजीव खन्ना, जो अगले सप्ताह सेवानिवृत्त हो रहे हैं, पद छोड़ने से पहले भविष्य की कार्रवाई के बारे में निर्णय लेने का इरादा रखते हैं। यह निवर्तमान द्वारा लिए जाने वाले अंतिम बड़े निर्णयों में से एक होने की उम्मीद है। सोमवार की कार्यवाही से पहले सीजेआई ने सुप्रीम कोर्ट के जजों से भी मुलाकात की। संभावना है कि इस बैठक के दौरान जजों को रिपोर्ट के निष्कर्षों के बारे में बताया गया होगा। इस बड़ी रिपोर्ट में 14–15 मार्च की घटना का तथ्यात्मक घटनाक्रम शामिल है, जिसमें जस्टिस वर्मा के आवास पर आग लगने की समय–सीमा, नकदी की खोज और आपातकालीन सेवाओं की प्रतिक्रिया का विवरण दिया गया है।

ऑपरेशन सिन्दूर को अंजाम देने के बाद विनय नरवाल की मां ने की पीएम मोदी की तारीफ, कहा उन पर गर्व

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार तड़के पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए है। ये हमले पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए किया गया है। पहलगाम हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। ये हमले ऑपरेशन सिंदूर के तहत किये गये। सूत्रों के अनुसार, सभी नौ लक्ष्यों पर हमले सफल रहे है। हमले के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर पर बारीकी से नजर रखी। इस घटना पर टिप्पणी करते हुए, हमले के दौरान जान गंवाने वाले पर्यटकों में से एक लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की मां आशा देवी ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिए गए बदले पर गर्व है। उन्होंने कहा, यह पहलगाम में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि है। हमारे दिलों में गुस्सा था। मैं भारतीय सेना से कहना चाहती हूं कि वह इसी तरह आगे बढ़ती रहे।ष इस बीच, विनय नरवाल के पिता ने भी कार्रवाई का स्वागत किया। उन्होंने कहा, ''मैंने आतंकवादी हमले के बाद कहा था कि मुझे भारत सरकार पर पूरा भरोसा है और वह अपना काम कर रही है। आज भारत सरकार ने यह कर दिया है। हम उन लोगों को वापस नहीं ला सकते। लेकिन मैंने कहा था कि जवाब ऐसा होना चाहिए कि भविष्य में कोई भी ऐसी कायरतापूर्ण हरकत करने की हिम्मत न कर सके। उन्होंने कहा, ष्भारत सरकार की कार्रवाई बहुत सही है, उनके 9 ठिकानों पर यह हमला उनके दिमाग में गूंजता रहेगा और वे भविष्य में ऐसा करने के बारे में सोच भी नहीं पाएंगे अधिकारियों ने बताया कि जिन नौ स्थलों को निशाना बनाया गया उनमें बहावलपुर स्थित जैश–ए– मोहम्मद का मुख्यालय और मुरीदके स्थित लश्कर– ए–तैयबा का मुख्यालय शामिल है। दोनों ही पाकिस्तानी पंजाब में हैं। भारत की यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के दो सप्ताह बाद आई है, जिससे भारत और विदेशों में व्यापक आक्रोश फैल गया था। रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा गया है, ष्ये कदम पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले के मद्देनजर उठाए गए हैं, जिसमें 25 भारतीयों और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी। इसमें कहा गया, हम इस प्रतिबद्धता पर खरे उतर रहे हैं कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। स्ट्राइक के तुरंत बाद श्एक्सश पर हिंदी में लिखे एक पोस्ट में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ष्भारत माता की जय! भारतीय सेना ने अपने पोस्ट में कहा, न्याय हुआ। भारतीय सैन्य प्रतिष्ठान के सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान से लगी सीमा पर सभी वायु रक्षा इकाइयों को अलर्ट पर रखा गया है।

संपादकीय

युद्ध के कगार पर

इसमें दो राय नहीं कि जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में चुन–चुनकर मारे गए 26 लोगों की मौत ने पूरे देश के अंतर्मन को झकझोरा है। साथ ही इस घटनाक्रम से उपजे आक्रोश ने सरकार पर आतंकियों व उनके आकाओं को सबक सिखाने का दबाब भी बनाया है। जिसके चलते दोनों देशों की तरफ से तल्ख बयानबाजी का जो दौर शुरू हुआ, वो थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिसने दोनों देशों के संबंधों को निचले स्तर तक पहुंचा दिया है। जवाबी कार्रवाई के दबाव में स्थितियां खतरनाक स्थिति की तरफ बढ़ गई है। दोनों देशों की सीमाओं में तनाव तेजी से बढ़ रहा है। तीखी बयानबाजी के बीच सैन्य ताकत को बढ़ाने के दावे किए जा रहे हैं। लगातार चिंताजनक होती स्थिति के बीच संयुक्त राष्ट्र संघ की तरफ से बयान आया है। दोनों पक्षों को अधिकतम संयम बरतने की सलाह दी गई है। साथ ही कहा गया है कि तनाव का स्तर कम करने की कोशिश की जाए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का हस्तक्षेप और सुरक्षा परिषद के बंद कमरे में हुआ सलाह–मशविरा अंतर्राष्ट्रीय जगत की चिंता को ही रेखांकित करता है। निस्संदेह, संयुक्त राष्ट्र महासचिव की चेतावनी महज कूटनीतिक बयानबाजी नहीं है। निश्चित रूप से यह परमाणु हथियारों से लैस दो पड़ोसियों के बीच संघर्ष को टालने की महत्वपूर्ण कोशिश है। हालांकि, पाकिस्तान ने इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में ले जाकर भारत के खिलाफ माहौल बनाने का उपक्रम किया था। लेकिन वैश्विक मूड हस्तक्षेप के बजाय तनाव कम करने पर केंद्रित नजर आया। इसमें दो राय नहीं कि अब तक भारत की ओर संयमित प्रतिक्रिया ने स्थिति को और बिगड़ने से रोकने में मदद ही की है। हालांकि, दंडात्मक कार्रवाई के लिये देश के भीतर बढ़ती मांग ने दिल्ली पर सैन्य विकल्पों पर विचार करने का दबाव जरूर डाला है। हालांकि देश के दीर्घकालीन हितों के मद्देनजर कूटनीतिक प्रयासों से समस्या के समाधान की कोशिश की जानी चाहिए। लेकिन इस हकीकत को नजरअंदाज नहीं किया जाता कि आंतरिक दबाव के चलते यदि सैन्य विकल्पों को प्राथमिकता दी जाती है, तो कालांतर इससे क्षेत्र में व्यापक संघर्ष की शुरुआत हो सकती है। यह भी एक हकीकत है कि ऐसे मौके पर जब आतंकवादियों के क्रूर हमले में मारे गए लोगों के परिवार शोकाकुल हैं और जनता आक्रोशित है, संयम का आह्वान किसी को रास नहीं आएगा। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बड़े पैमाने पर संघर्ष को बढ़ावा देना कल्पना से अधिक तबाही ला सकता है। एक सैन्य टकराव न केवल इस उपमहाद्वीप को अपनी गिरफ्त में ले सकता है, बल्कि दशकों तक इस क्षेत्र को अस्थिर भी बनाये रख सकता है। विगत का अनुभव हमें याद कराता है कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले युद्ध से न केवल जन–धन की व्यापक क्षति होती है बल्कि साथ में कूटनीतिक अलगाव और आर्थिक झटके भी मिलते हैं। इन हालात में यह जरूरी है कि दोनों देश बैक चौनल के जरिये कूटनीतिक प्रयास करें तथा विश्वास निर्माण के उपायों के लिए फिर से प्रतिबद्धता दिखाएं। वैश्विक समुदायों, खासकर संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका व चीन जैसे प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को बयानों से आगे बढ़कर तनाव को बढ़ने से रोकने के लिये सक्रिय रूप से मध्यस्थता करनी चाहिए।

बाह्य और आंतरिक चुनौतियों से मुकाबले का वक्त

विश्वनाथ

पहलगाम में हुए आतंकी हमले की भयावहता और नृशंसता की भर्त्सना दुनिया का हर विवेकशील व्यक्ति कर रहा है। इस तरह की घटनाएं किसी व्यक्ति या समाज के विरुद्ध नहीं होतीं, यह हमला समूची मानवता के विरुद्ध था। पत्नी के सामने पति की हत्या, बेटे के सामने पिता की हत्या, बहन के सामने भाई की हत्या३ यह सिर्फ हत्या नहीं है, यह अमानुषिकता का नंगा नाच था।

इस काण्ड के विरुद्ध देश भर में क्रोध स्वाभाविक है। जिस तरह इस कृत्य की भर्त्सना हो रही है, और जिस तरह इसका बदला लेने की बात देश कर रहा है, वह किसी भी संवेदनशील समाज की पहचान है। सरकार द्वारा बुलाये गये सर्वदलीय सम्मेलन में देश के सभी राजनीतिक दलों ने एक स्वर से पहलगाम–काण्ड की भर्त्सना की है और इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा उठाये जाने वाले हर कदम को सभी राजनीतिक दलों ने समर्थन दिया है। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री उपस्थित रहते तो और अच्छा होता, फिर भी उन्होंने अन्यत्र यह स्पष्ट कर दिया है कि पहलगाम के अपराधियों को ऐसा दण्ड दिया जायेगा जिसकी वे कल्पना भी नहीं कर सकते। गृहमंत्री ने आततायियों को 'चुन–चुन कर' सजा देने की बात कही है, और देश के रक्षामंत्री ने वचन दिया है कि 'वह अवश्य होगा जो आप (देशवासी) चाहते हैं।' सवाल उठता है कि इस संदर्भ में आज देश की जनता चाहती क्या है? एक वाक्य में कहें तो कह सकते हैं कि देश पहलगाम के अपराधियों को समुचित सजा देना चाहता है। महत्वपूर्ण है यह तथ्य कि देश बदले की बात नहीं कर रहा। अपराधियों को सजा देना चाहता है। सजा उनको भी जिन्होंने पहलगाम की घाटी में निरपराधों का खून बहाया और उनको भी जो इस सारे काण्ड के पीछे थे। यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि आतंक की इन सारी घटनाओं के पीछे पाकिस्तान के उन हुक्मरानों का हाथ रहा है, जिन्हें अपनी कुर्सी के लिए भारत के विरुद्ध विष–वमन करना एक अनिवार्यता लगती है। इसलिए, सजा के भागीदार वे भी हैं। हमारे प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि इस संदर्भ में हर उचित कार्रवाई के लिए देश की सेना को पूरे अधिकार दे दिये गये हैं। कब, क्या और कहां कार्रवाई करनी है, यह तय करने की स्वतंत्रता सेना को मिल गयी है। अपराधियों को सजा मिलने में देरी की शिकायत करने वालों को यह याद रखना होगा कि युद्ध लड़ने का निर्णय भले ही सरकार करे, युद्ध कैसे लड़ा जाना है यह तय करने का काम सेना का ही होता है। वर्ष 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री ने सेनाध्यक्ष जनरल मानेकशॉ को यह बताया कि वे तत्काल पाकिस्तान पर हमला करना चाहती हैं तो जनरल ने कहा था, 'मुझे छह महीने का समय चाहिए।' इंदिरा गांधी ने अपने सेनाध्यक्ष की बात मान ली और उस लड़ाई का परिणाम सारी दुनिया ने देखा! तब लड़ाई कैसे और कब करनी है यह सेना ने तय किया था। आज भी यह निर्णय करने का काम सेना का ही है। हमें अपनी सेना पर भरोसा करना चाहिए। अपनी सेना पर भरोसा करने का मतलब अपने आप पर भरोसा करना है। एक बात और भी है जो इस देश को समझनी है। आखिर पहलगाम में नरसंहार करने वाले आतंकियों का उद्देश्य क्या था? प्राप्त जानकारी के अनुसार उन आतंकियों को निर्देश था कि वे भारत को 'अधिकाधिक नुकसान' पहुंचाएं। इस अधिकाधिक का अर्थ सिर्फ ज्यादा से ज्यादा हत्याएं करना नहीं थादृ उनका उद्देश्य हमारी एकता को चोट पहुंचाना था। इसीलिए नाम पूछ–पूछ कर गोलियां चलायी थीं उन्होंने! वे मुसलमानों को बचाना नहीं चाहते थे, उनका उद्देश्य हिंदुओं और मुसलमानों के बीच खाई खोदना और उसे चौड़ा करना था। उन्होंने यही कोशिश की। लेकिन कश्मीर के उस घोड़ेवाले आदिल हुसैन ने अपनी जान देकर यह बता दिया कि भारत के हिंदुओं और मुसलमानों के बीच खाई खोदने वाले कभी सफल नहीं हो सकते। आदिल अपने मेहमानों की जान बचाने की कोशिश में खुद शहीद हो गया। यह गलत नहीं है कि आजादी मिलने के इन 75 सालों में देश में कई जगह सांप्रदायिक दंगे हुए हैं। लेकिन सही यह भी है कि ऐसे हर दंगे के बाद देश ने सबक सीखने की कोशिश की है। बहुधर्मी देश है हमारा भारत। शायद ही दुनिया के किसी देश में इतने सारे धर्मों के लोग रहते हों। यह बहुधर्मिता, वैविध्य हमारी ताकत है। हमें इस ताकत पर भरोसा भी करना है और इसे मजबूत भी बनाना है। हमें सभी धर्मों से ऊपर उठकर एक भारतीय होने की अपनी पहचान पर गर्व करने की भावना को मजबूत बनाना होगा। आज सारा देश एक स्वर में पहलगाम के अपराधियों को सजा देने की बात कर रहा है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध आदि सब यह चाहते हैं, और मांग कर रहे हैं कि अपराधियों को जल्दी से जल्दी सजा मिले। देश पाकिस्तान को भी पाठ पढ़ाना चाहता है। युद्ध की बातें भी हो रही हैं। भारत और पाकिस्तान, दोनों देशों की सेनाएं युद्ध की तैयारी में लगी हैं। सबको यह समझना होगा कि युद्ध में विजयी चाहे कोई भी हो, नुकसान दोनों पक्षों का होता है। हम युद्ध के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन यदि युद्ध हम पर थोपा ही गया तो हम आश्वस्त हैं, हमारी सेना पिछले चार युद्धों की तरह अब भी पाकिस्तान को परास्त करेगी। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री रूस और यूक्रेन के नेतृत्व को समझा चुके हैं, 'यह युग युद्ध का नहीं है।' आज के युग में युद्ध का केवल एक ही मतलब हैदृ विनाश? हम विनाश के पक्ष में नहीं हैं। हमने 'महाभारत' से यह सीखा है कि अंततरू युद्ध में सब हारते हैं। लेकिन, वहीं 'गीता' ने हमें यह भी सिखाया है कि जब युद्ध कर्तव्य बन जाये तो जीतने के विश्वास के साथ लड़ा जाना चाहिए। एक बात और जो हमें याद रखनी है, वह यह है कि देश के भीतर भी एक युद्ध लगातार चलता रहता है। दुर्भाग्य से, कभी कहीं और कभी कहीं मवाद वाले फोड़ों की तरह सांप्रदायिकता हमें शिकार बना लेती है। आज जबकि आतंकवादी ताकतें हमारे भारतीय समाज को बांटने की नापाक कोशिशों में लगी हैं, हमें पूरी ताकत के साथ इन कोशिशों को विफल बनाना है। हम यह भी जानते हैं कि अक्सर राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए भारतीय समाज की एकता को कमजोर बनाने की कोशिशें होती हैं। इन कोशिशों को भी हमें समझना होगा।

सुधार का मार्ग खोलती सुप्रीम कोर्ट की पहल

के.एस.

सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक सुधार की दिशा में ऐतिहासिक पहल की है। जिसका मकसद न केवल न्यायिक नियुक्तियों की प्रक्रिया में गुणवत्ता और पारदर्शिता यकीनी बनाना है, बल्कि राजनीतिक हस्तक्षेप और भाई–भतीजावाद सीमित करने का भी प्रयास है। हाईकोर्ट्स द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ताओं की नियुक्ति हेतु भेजे गए नामों पर विचार करते समय अब सुप्रीम कोर्ट में इंटरव्यू प्रक्रिया को अनिवार्य किया गया है, जो लीक से हटकर नया कदम है। परंपरा रही कि उच्च न्यायालयों द्वारा भेजी गई अनुशंसाएं सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम द्वारा प्रायः बिना व्यक्तिगत मूल्यांकन के स्वीकृत कर ली जाती थीं। परंतु अब सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और दो वरिष्ठतम न्यायाधीशों ने यह परंपरा तोड़ते हुए व्यक्तिगत इंटरव्यू अनिवार्य किया है, जो अनुशंसित अधिवक्ताओं की न्यायिक नियुक्तियों से पूर्व एक अतिरिक्त मूल्यांकन की परत जोड़ेगा। यह फैसला न्यायपालिका की चयन प्रक्रिया में परिपक्वता का संकेत है, वहीं उस आलोचना का उत्तर भी है जो कॉलेजियम प्रणाली की पारदर्शिता व जवाबदेही की कथित कमी को लेकर होती रही है। वर्ष 1993 के दूसरे न्यायाधीश केस और 1998 के तीसरे न्यायाधीश केस के फैसलों के तहत स्थापित कॉलेजियम प्रणाली ने न्यायपालिका को कार्यपालिका से स्वतंत्रता तो दिलाई, परंतु इसके भीतर पारदर्शिता व जवाबदेही की संरचनात्मक कमी के आरोप सामने आते रहे। आलोचकों के मुताबिक, इस प्रक्रिया में अक्सर व्यक्तिगत संबंधों और सिफारिशों को महत्व दिया जाता है, जिससे योग्यता से समझौता होता है। अब जब इंटरव्यू प्रक्रिया को जोड़ा गया है, तो यह केवल दस्तावेजों और बंद कमरों में होने वाली चर्चा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उम्मीदवारों के व्यक्तित्व, विचारशीलता और न्यायिक मूल्यों का प्रत्यक्ष मूल्यांकन संभव होगा। इंटरव्यू एक ऐसा सशक्त उपकरण है जो केवल विधिक ज्ञान ही नहीं बल्कि उम्मीदवार की नैतिकता , तर्कशक्ति , संवेदनशीलता और न्यायिक दृष्टिकोण का भी मूल्यांकन कर सकता है। अमेरिकी सीनेट न्यायिक समिति द्वारा जजों के साक्षात्कार या ब्रिटेन के ज्यूडिशियल अपॉइंटमेंट्स कमीशन की प्रक्रिया की तरह यह कदम भारत को वैश्विक मानकों की दिशा में आगे ले जाता है। पारंपरिक प्रक्रिया में सीवी और सिफारिश–पत्रों के जरिये उम्मीदवारों का आकलन किया जाता था, जो अक्सर वास्तविक क्षमताएं उजागर करने में विफल रहते थे। इंटरव्यू के जरिये प्रत्याशियों की तात्कालिक सोच, नैतिक निर्णय लेने की क्षमता और जटिल कानूनी या नैतिक परिदृश्यों में व्यवहार की क्षमता की जांच संभव हो सकेगी। वर्ष 2018 में सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठ न्यायाधीशों द्वारा सार्वजनिक रूप से अदालत के आंतरिक कामकाज पर सवाल उठाना दर्शाता है कि सिस्टम के भीतर भी असंतोष व्याप्त था। इंटरव्यू की शुरुआत न केवल जनता के विश्वास बहाली में मदद करेगी, बल्कि यह दर्शाएगी कि न्यायपालिका सुधार की दिशा में स्वेच्छा से कदम उठा रही है। हालांकि, इंटरव्यू प्रणाली पूर्णतरू दोषरहित नहीं। इसकी स्वाभाविक सीमा विषयपरकता है। यदि कोई मानकीकृत मूल्यांकन मापदंड नहीं बनाए गए, तो पैनल के व्यक्तिगत पूर्वाग्रह, सवाल पूछने की शैली या प्रत्याशियों की वक्तृत्व क्षमता जैसे कारक निर्णय को प्रभावित कर सकते हैं। इसका समाधान है कि सुप्रीम कोर्ट एक स्पष्ट मूल्यांकन ढांचा तैयार करे। भारत के 25 उच्च न्यायालयों में 1,100 से अधिक स्वीकृत न्यायिक पद हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में नियुक्तियां लंबित हैं। यदि प्रत्येक अनुशंसित अधिवक्ता का इंटरव्यू सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा किया जाएगा, तो इससे समय, संसाधनों और मानवीय क्षमता पर भारी दबाव पड़ेगा।

..... विविध .....

इन लोगों को पनीर फायदा नहीं देगा सिर्फ नुकसान

पनीर में पाए जाने वाले पोषक तत्व आपकी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हो सकते हैं। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, और अन्य जरूरी तत्व होते हैं, जो हड्डियों और शरीर की ताकत बढ़ाने में मदद करते हैं। लेकिन, कुछ लोगों को पनीर खाने से परहेज करना चाहिए। अगर आप पनीर का सेवन करते हैं, तो आपको इसके कुछ साइड इफेक्ट्स के बारे में भी जानना जरूरी है। आइए जानते हैं पनीर के फायदों के साथ–साथ इसके कुछ साइड इफेक्ट्स के बारे में।

पनीर खाने के फायदे

प्रोटीन का अच्छा स्रोतरू पनीर में भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है, जो शरीर की मसल्स को बनाने और रिपेयर करने में मदद करता है।

हड्डियों के लिए फायदेमंद– इसमें कैल्शियम और विटामिन क होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए जरूरी होते हैं। यह हड्डियों के फ्रैक्चर और अन्य समस्याओं से बचाव में मदद कर सकता है।

त्वचा के लिए लाभकारी– पनीर में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखते हैं। यह त्वचा के संक्रमण और झुर्रियों को कम करने में भी मदद कर सकता है।

पाचन में मदद– पनीर में बायो एबिलिटी प्रोटीन होता है, जो पाचन तंत्र को सुधारता है और पेट को सही तरीके से काम करने में मदद करता है।

पनीर खाने के नुकसान

ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए खतरा

पनीर में सोडियम की मात्रा अधिक हो सकती है। यदि आपका ब्लड प्रेशर हाई है, तो आपको पनीर का सेवन सीमित करना चाहिए। ज्यादा पनीर खाने से आपके रक्तचाप में और बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

फूड पॉइजनिंग के मरीजों के लिए हानिकारक

फूड पॉइजनिंग के दौरान, हल्का और आसानी से पचने वाला आहार खाना चाहिए। पनीर जैसे प्रोटीन रिच फूड्स, खासकर अगर वे ठीक से पका हुआ न हो, तो पेट की समस्याओं को और बढ़ा सकते हैं। इससे दस्त, पेट दर्द और अन्य पेट संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

इंफेक्शन और एलर्जी का खतरा

कच्चे पनीर या कम क्वालिटी वाले पनीर से इंफेक्शन हो सकता है। अगर आपको डेयरी प्रोडक्ट्स से एलर्जी है, तो पनीर खाने से आपकी त्वचा पर एलर्जी का असर हो सकता है, जैसे रैशेज और खुजली।

दिल की बीमारियों का खतरा

फैट युक्त पनीर, जैसे कि मलाइ, शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ा सकता है। इसका ज्यादा सेवन दिल से जुड़ी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। अगर आप दिल की बीमारी से पीड़ित हैं, तो पनीर को अपनी डाइट से सीमित करें।

पनीर का सेवन किसे नहीं करना चाहिए?

हाई ब्लड प्रेशर वाले लोगरू अगर आपके ब्लड प्रेशर का स्तर पहले से ही हाई है, तो पनीर का अधिक सेवन करने से बचें।

फूड पॉइजनिंग के शिकार लोगरू फूड पॉइजनिंग के दौरान पनीर से परहेज करें, क्योंकि यह आपकी पेट की समस्याओं को और बढ़ा सकता है।

डेयरी एलर्जी वाले लोगरू अगर आपको डेयरी प्रोडक्ट्स से एलर्जी है, तो पनीर का सेवन करना आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।

पनीर में अनेक फायदे हैं लेकिन हर किसी के लिए यह उपयुक्त नहीं है। अगर आपको पनीर से कोई समस्या होती है, तो आपको इसे अपनी डाइट से बाहर रखना चाहिए।

सिंदूर : कहां से आया इसका नाम, कैसे और क्यों बना सुहाग की पहचान

कहां से आया इसका नाम, कैसे और क्यों बना सुहाग की पहचान? जानिए 3 खास बातें

नारी डेस्करू भारत में शादी के बाद महिला की मांग में भरे जाने वाला सिंदूर केवल एक रंग नहीं, बल्कि परंपरा, भावनाओं और सामाजिक पहचान का प्रतीक है। यह वही गाढ़ा लाल पाउडर है, जो बाजार में कुछ ही रुपये में मिल जाता है, लेकिन किसी सुहागन की मांग में लगते ही उसकी कीमत अनमोल हो जाती है। शादी के समय जब दूल्हा अपनी दुल्हन की मांग में सिंदूर भरता है, तो वो पल हर किसी के लिए भावुक कर देने वाला होता है। यह परंपरा भारत के हर कोने कृ चाहे बंगाल हो या उत्तर प्रदेश, बिहार हो या केरल कृ हर जगह निभाई जाती है। सिंदूर को सौभाग्य और पति की लंबी उम्र का प्रतीक माना जाता है।

लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इस सिंदूर का नाम कहां से आया? पहले इसे कैसे बनाया जाता था? और आज के समय में इसे कैसे तैयार किया जाता है? आइए जानें सिंदूर से जुड़ी ये 3 खास बातें–

सिंदूर शब्द की उत्पत्ति कहां से हुई?

'सिंदूर' शब्द संस्कृत के शब्द 'सिंदूरा' से लिया गया है। यह शब्द प्राचीन ग्रंथों, पूजा विधियों और सामाजिक परंपराओं में सदियों से इस्तेमाल किया जा रहा है। समय के साथ इसका उच्चारण और रूप थोड़े बदले, लेकिन इसका सांस्कृतिक महत्व हमेशा बना रहा।

प्राचीन भारत में कैसे बनाया जाता था सिंदूर?

पुराने जमाने में सिंदूर पूरी तरह प्राकृतिक चीजों से तैयार किया जाता था।

इसके मुख्य घटक होते थे–

हल्दी

नींबू का रस

फिटकरी (अलम)

इन तीनों को मिलाने पर एक लाल रंग तैयार होता था। कहीं–कहीं इसमें केसर और चंदन भी मिलाया जाता था, जिससे इसकी खुशबू और गुणवत्ता बढ़ाई जाती थी। यह मिश्रण पूरी तरह हर्बल और सुरक्षित होता था, जिसे महिलाएं बेझिझक लगाती थीं।

आज के समय में सिंदूर कैसे बनता है?

अब जमाना बदल गया है, और बाजार में मिलने वाला सिंदूर ज्यादातर फैक्ट्री में तैयार किया जाता है। इसमें अब छंजनतंस चीजों की जगह कई सिंथेटिक (कृत्रिम) पदार्थ मिलाए जाते हैं, जैसे–

सिंथेटिक डाई (रंग)

टैल्क (पाउडर)

कैल्शियम कार्बोनेट

लेड (सीसा) और मरकरी (पारा) जैसी हानिकारक धातुएं ये पदार्थ सिंदूर की लाइफ बढ़ाने, रंग गहरा करने और ज्यादा मुनाफा कमाने के मकसद से डाले जाते हैं। लेकिन इससे स्वास्थ्य को खतरा भी हो सकता है, खासकर अगर इनमें लेड या मरकरी की मात्रा अधिक हो।

महत्व अब भी वही है, चाहे तरीका बदल गया हो

भले ही सिंदूर बनाने के तरीके में बदलाव आया हो, लेकिन इसका महत्व आज भी वैसा ही है जैसा पहले था। हालांकि अब कुछ महिलाएं रोज सिंदूर नहीं लगातीं, लेकिन शादी, त्योहार या धार्मिक अवसरों पर यह अब भी हर सुहागन की पहचान बन जाता है।

पथरी को जड़ से खत्म कर सकता है ये 500 साल पुराना आयुर्वेदिक नुस्खा, बस रोजाना पिएं ये खास ड्रिंक

आजकल की अनियमित जीवनशैली और खान–पान के कारण किडनी स्टोन, जिसे आम भाषा में पथरी कहा जाता है, एक बहुत ही सामान्य लेकिन दर्दनाक बीमारी बनती जा रही है। यह समस्या तब होती है जब हमारे यूरिन (मूत्र) में मिनरल और सॉल्ट की मात्रा जरूरत से ज्यादा हो जाती है। इनकी अधिकता की वजह से ये धीरे–धीरे जमा होकर छोटे–छोटे पत्थर जैसे बन जाते हैं जो कि गुर्दे , मूत्राशय या मूत्रमार्ग में रहने लगते हैं और समय–समय पर बहुत तेज दर्द का कारण बनते हैं।

पथरी का आयुर्वेदिक इलाज – बिना दवा के राहत

हालांकि मेडिकल इलाज से पथरी की समस्या दूर की जा सकती है लेकिन कुछ प्राकृतिक और आयुर्वेदिक उपाय भी काफी असरदार साबित हो सकते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट किरण कुकरेजा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो के माध्यम से एक 500 साल पुराना आयुर्वेदिक नुस्खा बताया है, जो पथरी की परेशानी को दूर करने में मदद कर सकता है। यह नुस्खा न केवल पथरी को तोड़ने में मदद करता है, बल्कि शरीर को अंदर से साफ करने और यूटीआई (मूत्र संक्रमण) से राहत दिलाने में भी फायदेमंद माना जाता है।

क्या है यह आयुर्वेदिक नुस्खा?

न्यूट्रिशनिस्ट किरण बताती हैं कि यह नुस्खा है बार्ली वाटर यानी जौ का पानी। यह एक प्राचीन आयुर्वेदिक पेय है, जिसे रोजाना पीने से शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थ (जव•पदे) बाहर निकलने लगते हैं और पथरी की समस्या में राहत मिलती है। बार्ली वाटर शरीर को डिटॉक्स करता है और यूरिन की मात्रा बढ़ाता है जिससे पथरी के कण शरीर से बाहर निकलने में सहायता मिलती है।

कैसे बनाएं बार्ली वाटर?

सामग्रीरू

2 टेबलस्पून साबुत जौ (बार्ली)

2.5 से 3 कप पानी

2–3 तुलसी के पत्ते (यदि यूटीआई है तो)

1/2 नींबू का रस या चुटकी भर सेंधा नमक (स्वाद के अनुसार)

बनाने की विधि

सबसे पहले साबुत जौ को 2–3 बार अच्छे से धो लें ताकि उसमें मौजूद सारी गंदगी निकल जाए। एक पैन में 2.5 से 3 कप पानी डालें और उसमें धोया हुआ जौ मिला दें। अब इसे मध्यम आंच पर 20–25 मिनट तक उबालें। जब जौ मुलायम हो जाए और पानी हल्का गाढ़ा लगने लगे, तब आंच बंद कर दें। थोड़ा ठंडा होने दें और फिर छानकर पानी को अलग कर लें। स्वाद के लिए आप इसमें नींबू का रस या सेंधा नमक मिला सकते हैं। अगर आपको मूत्र संक्रमण (न्ज्) भी है, तो पानी उबालते समय उसमें 2–3 तुलसी के पत्ते भी डाल दें।

क्यों फायदेमंद है बार्ली वाटर?

बार्ली वाटर में विटामिन ठ6 और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में होता है, जो विशेष रूप से कैल्शियम ऑक्सालेट पथरी को तोड़ने में मदद करते हैं। साथ ही, यह पानी यूरिन की मात्रा बढ़ाकर पथरी के कणों और शरीर के अन्य टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है।

कब और कैसे पिएं बार्ली वाटर?

सुबह खाली पेट 1 गिलास बार्ली वाटर पीना सबसे अच्छा माना जाता है।

दिन में आप 1 से 2 गिलास तक इसका सेवन कर सकते हैं।

ज्यादा मात्रा में पीने से बचें, ताकि शरीर पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

कौन न पिए ये पानी?

जिन लोगों को ग्लूटेन से एलर्जी है, उन्हें बार्ली वाटर से बचना चाहिए। गर्भवती महिलाएं या जो लोग किसी विशेष बीमारी से ग्रस्त हैं, वे इसका सेवन करने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

किडनी स्टोन की समस्या भले ही तकलीफदेह हो,।

हवाई हमले का बजा सायरन, जमीन पर लेट गए लोग

लखनऊ , (संवाददाता)। दुश्मन देश के हवाई हमले की आपात स्थिति से निपटने के लिए नागरिक सुरक्षा संगठन (सिविल डिफेंस) ने कमर कसना शुरू कर दिया है। आपात स्थिति के लिए बुधवार को पुलिस लाइन में एक मॉकड्रिल होगी। इसके लिए मंगलवार दोपहर पुलिस लाइन में पूर्वाभ्यास भी किया गया। सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन अमरनाथ मिश्र ने बताया कि वैसे तो प्रत्येक वर्ष आपात स्थिति से निपटने के लिए मॉकड्रिल होती है। अब गृह मंत्रालय के निर्देश पर 7 मई को पूरे देश में एक साथ हवाई हमले से निपटने के लिए मॉकड्रिल की जानी है। इसके लिए बुधवार शाम 6 से 7 बजे का समय तय किया गया है। पुलिस लाइन में मॉकड्रिल पूर्वाभ्यास के लिए हवाई हमले की चेतावनी स्वरूप सायरन बजाया गया। सायरन बजते ही सभी लोग जमीन पर पेट के बल लेट गए। दोनों हाथों से कान को बंद कर लिया। हवाई हमला रुकते ही सिविल डिफेंस के सभी वालंटियर खड़े हो गए। एक टीम हमले के चलते लगी आग बुझाने में जुट गई। दूसरी टीम भीड़ नियंत्रण करने लगी। कुछ वालंटियर हमले में घायलों को निकालने में लगे तो कुछ उनकी प्राथमिक चिकित्सा में जुट गए। पूर्वाभ्यास में ये प्रक्रिया कई बार दोहराई गई।

आगरा एक्सप्रेसवे पर 5610 एकड़ में आवासीय योजना लाएगा एलडीए, 12 गांवों की जमीन ली जाएगी

लखनऊ , (संवाददाता)। आगरा एक्सप्रेसवे पर लखनऊ विकास प्राधिकरण 5610 एकड़ में नई आवासीय योजना लाएगा। इसके लिए 12 गांवों की जमीन ली जाएगी। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने अर्जन, अभियंत्रण व नियोजन अनुभाग की संयुक्त टीम के साथ मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने योजना को दो चरणों में विकसित करने का विस्तृत प्रस्ताव व ले–आउट तैयार करने के निर्देश दिए। प्रथमेश कुमार ने बताया कि आगरा एक्सप्रेसवे योजना किसान पथ से कुछ ही मिनटों की दूरी पर है। इससे लोगों को यहां बेहतरीन कनेक्टिविटी मिलेगी। योजना को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया जाएगा। इसमें विश्वस्तरीय अस्पताल, आयुर्वेदिक चिकित्सा केंद्र व अन्य सुविधाएं मिलेंगी। इसे शहर के नए एजुकेशन हब के रूप में विकसित करने की दिशा में काम करते हुए शैक्षणिक उपयोग के लिए बड़े भूखंड रखे जाएंगे। योजना के लिए 12 गांवों की जमीन ली जाएगी। इनमें सदर व सरोजनीनगर तहसील के ग्राम–भलिया, आदमपुर इंदवारा, बहरू, जलियामऊ एवं मदारपुर, इब्राहिमगंज, नकटौरा, गहलवारा, तेजकृष्ण खेड़ा, रेवरी, सकरा एवं दोना गांव शामिल हैं। इनका कुल क्षेत्रफल 5610.1078 एकड़ है। योजना के पहले चरण में 1893.93 एकड़ व दूसरे चरण में 3716.14 एकड़ में विकास कार्य होंगे।

अंसल एपीआई के प्रमोटर निदेशक प्रणव अंसल को ईडी ने किया तलब

लखनऊ , (संवाददाता)। निवेशकों की जमा पूंजी हड़पने वाले अंसल एपीआई (अंसल प्रॉपर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड) के

प्रमोटर निदेशक प्रणव अंसल और उनकी पत्नी शीतल मिगलानी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तलब किया है। दोनों को नोटिस भेजकर अगले सप्ताह राजधानी स्थित ईडी के जोनल कार्यालय बुलाया गया है, जहां उनसे निवेशकों के साथ धोखाधड़ी के आरोपों के बारे में पूछताछ होगी। बता दें कि ईडी ने बीते दिनों अंसल एपीआई के दिल्ली, लखनऊ और गाजियाबाद के आठ ठिकानों पर छापा मारा था, जिसमें 218 करोड़ रुपये की 62 संपत्तियों के साथ 174 कंपनियों की जानकारी भी सामने आई थी। इन कंपनियों के जरिये निवेशकों की रकम को विदेश भेजने के प्रमाण भी मिले थे। छापे के दौरान बार–बार सूचित किए जाने पर भी प्रणव अंसल जांच एजेंसी के सामने नहीं आए थे, जिसकी वजह से अब उन्हें नोटिस देकर तलब किया गया है। दस्तावेजों की पड़ताल में सामने आया था कि प्रणव अंसल ने अपनी पत्नी शीतल मिगलानी के नाम पर 200 करोड़ रुपये से अधिक कीमत की संपत्तियां खरीदी हैं। इसकी जानकारी प्रणव अंसल के मोबाइल से मिली थी। ईडी के अधिकारियों के मुताबिक अंसल एपीआई के खिलाफ निवेशकों की ओर से यूपी, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में करीब 135 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी से संबंधित 100 से अधिक मुकदमे दर्ज कराए गए थे, जिसके आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत जांच शुरू करते हुए छापे मारे थे। इस दौरान प्रणव अंसल के साथ निदेशक दीपक मोवर व अन्य वरिष्ठ कर्मचारियों के आवास और कार्यालयों को खंगाला गया था। निवेशकों को कंपनी ने अपनी ऐसी परियोजनाओं में निवेश के लिए फंसाया, जो कभी पूरी नहीं हुईं या कभी सौंपी ही नहीं गईं।

चेन लूटने वाले दो बदमाशों से देर रात मुठभेड़, पुलिस ने रोका तो कर दी फायरिंग दोनों के पैर में लगी गोली

लखनऊ , (संवाददाता)। गोमतीनगर में मंगलवार देर रात लूट के दो आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किए गए। मुठभेड़ में दोनों के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने दोनों को अस्पताल भर्ती कराया है। आरोपियों के पास से दो तमंचे, बिना नंबर प्लेट की बाइक और लूट की चेन बरामद की गई है। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह के मुताबिक मंगलवार देर रात पुलिस सहारा सिटी के पास वाहन चेकिंग कर रही थी। इस दौरान बाइक सवार दो संदिग्धों को रोका गया। पुलिस को देखते ही बाइक सवार एक युवक ने फायरिंग कर दी। वहीं, दूसरा पैदल भागने लगा। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की जिसमें फायरिंग करने वाले युवक के पैर में गोली लगी जिसे गिरफ्तार कर लिया गया। इस बीच दूसरी टीम भी वहां पहुंच गई और भाग रहे दूसरे युवक को पकड़ने की कोशिश की। दूसरे आरोपी ने भी पुलिस पर फायरिंग कर दी। खुद को बचाते हुए पुलिस टीम ने फायर किया जिसमें उसके पैर में भी गोली लगी है। पूछताछ में पता चला है कि एक आरोपी महिगवां का सुशील उर्फ बउआ और दूसरा सीतापुर के कमलापुर निवासी सतीश गौतम है। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न थानों में लूट और चोरी के दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। इन्होंने मंगलवार को गोमतीनगर के विरामखंड निवासी टीसीएस कंपनी के टेक्नीशियन अवनीश कटियार से चेन लूट ली थी। इस मामले में गोमतीनगर थाने में केस दर्ज था। अवनीश मूलरूप से लखीमपुर खीरी के खमरिया के रहने वाले हैं। सोमवार को वह वह रात साढ़े आठ बजे घर का सामान लेने पैदल हुसड़िया जा रहे थे। तभी इंडियन पेट्रोल पंप के पास एक गली में पीछे से आए बाइक सवार दो बदमाशों ने झपट्टा मार कर अवनीश के गले से चेन लूट ली थी।

चचेरे भाई से परेशान होकर विवाहिता ने की थी आत्महत्या

लखनऊ , (संवाददाता)। बाजारखाला के भदेवां इलाके की रहने वाली तस्मिया (24) की खुदकुशी के मामले में उसके चचेरे भाई पर आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगा है। आरोपी तस्मिया से एकतरफा प्यार करता था और जबरन निकाह का दबाव बना रहा था। मृतका के भाई साहिल ने मदेयगंज के खदरा निवासी चचेरे भाई के खिलाफ बाजारखाला पुलिस से शिकायत की है। तस्मिया का वर्ष 2018 में मीट शॉप पर काम करने वाले आसिफ से निकाह हुआ। उनके छह साल का बेटा अयान है। सोमवार को आसिफ काम से लौटे तो पत्नी का शव फंदे से लटका मिला। साहिल ने बताया कि आरोपी घर आकर तस्मिया से निकाह कराने का दबाव बनाता था। सोमवार शाम को आरोपी फिर आया और बहन का तलाक करवाकर उसके साथ निकाह कराने के लिए कहा। इस पर दोनों पक्षों में झगड़ा हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

यूपी में रेड अलर्ट घोषित, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए

लखनऊ, (संवाददाता)। पहलगाम में आतंकी हमले का जवाब देते हुए भारतीय सेना ने पाकिस्तान के अंदर घुसकर ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया और आतंकियों के नौ ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है। इसके बाद उत्तर प्रदेश में रेड अलर्ट जारी किया गया है। यूपी डीजीपी के एक्स पर जारी किए गए बयान में कहा गया है कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना द्वारा आतंकी ठिकानों पर की गई कार्रवाई के मद्देनजर उत्तर प्रदेश में रेड अलर्ट घोषित किया गया है। भारत की सेना ने पाकिस्तान और पीओके के अंदर आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। इसमें आतंकी सरगना हाफिज सईद और मसूद अजहर के ठिकाने शामिल हैं। मिली जानकारी के अनुसार भारत ने मुजफ्फराबाद, बहावलपुर, मुरीदके, सियालकोट, कोटली, बाघ, गुलपुर, भिंबेर और शकरगढ़ में आतंक के ठिकानों को निशाना बनाया है।

पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक से हर तरफ खुशी का माहौल

लखनऊ , (संवाददाता)। पाकिस्तान पर किए गए एयर स्ट्राइक से हर तरफ खुशी का माहौल है। इसी बीच जगद्गुरु परमहंस आचार्य ने सेना के टैंक का पूजन किया है। उन्होंने कहा कि अयोध्या भगवान श्री राम की पावन जन्मभूमि है। यहाँ से मानवता का उदगम हुआ है। कारगिल युद्ध में जिन हथियारों का प्रयोग हुआ था उसमे से एक टी 55 टैंक भी था। जो अयोध्या के साकेत महाविद्यालय में रखा हुआ है। उसका हमने पूजन किया है। भारत की सेना ने जबरदस्त पलटवार किया है। पाकिस्तान में अफरा तफरी का माहौल है। बेसब्री से इन्तजार है की पाक अधिकृत कश्मीर भारत में शामिल हो। जिस दिन ऐसा हो जाएगा पूरे देश में दिवाली मनाई जाएगी। जश्न होगा, लड्डू बाँटे जाएंगे। पाकिस्तान का सफाया अब निश्चित हो गया है।

सौरभ शर्मा बने डी ब्लॉक उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष

लखनऊ , (संवाददाता)। व्यापार मंडल की राजाजीपुरम परिक्षेत्र इकाई के अंतर्गत मंगलवार को राजाजीपुरम स्थित एक गेस्ट हाउस में डी ब्लॉक उद्योग व्यापार मंडल का गठन किया गया। इस अवसर पर आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में सैकड़ों व्यापारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र रहे। अध्यक्षता महामंत्री उमेश शर्मा ने की। अमरनाथ ने सौरभ शर्मा उर्फ मोनू को अध्यक्ष, लवी अवस्थी को महामंत्री और केएस श्रीवास्तव को कोषाध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। साथ ही अमित टंडन, पुनीत गर्ग, अन्नू उपाध्याय, तजवीर सिंह, वीरेंद्र शुक्ला और कमलनयन सिंह को उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारियां सौंपी गईं। महामंत्री उमेश शर्मा ने बताया कि राकेश अवस्थी को संरक्षक व गुलशन सचदेवा को चेयरमैन घोषित किया गया है। समारोह में राजाजीपुरम परिक्षेत्र व्यापार मंडल के अध्यक्ष उमेश कुमार, वरिष्ठ महामंत्री सुशील तिवारी, सोनू पंडित समेत अन्य पदाधिकारी और व्यापारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

लोहिया संस्थान में नियमित डॉक्टरों की होगी तैनाती

लखनऊ , (संवाददाता)। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में संविदा डॉक्टरों के भरोसे चल रहे विभागों के दिन बहुरेंगे। मंगलवार से बैकलॉग भर्ती के साक्षात्कार शुरू हो गए। सामान्य विज्ञापन की साक्षात्कार प्रक्रिया जुलाई तक पूरी करने का दावा किया गया है। पीजीआई की तर्ज पर लोहिया संस्थान का संचालन होना है। इसके बावजूद यहां कई विभाग संविदा डॉक्टरों के भरोसे चल रहे हैं। वहीं, कई विभागों में डॉक्टरों की संख्या शून्य है। इससे यहां इलाज और पढ़ाई दोनों बाधित होती है। अब संस्थान प्रशासन ने जुलाई तक 300 से ज्यादा डॉक्टरों की भर्ती का दावा किया है। इसकी प्रक्रिया के तहत बैकलॉग भर्ती के साक्षात्कार शुरू हुए हैं। हड्डी, पैथालॉजी और एनेस्थीसिया विभाग में भर्तियां होंगी। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान की शुरुआत वर्ष 2006 में हुई थी। यहां 2009 में पीजीआई के सहयोग से 20 बेड की सुविधा के साथ ओपीडी चालू हुई। सत्र 2017–18 में यहां एमबीबीएस कोर्स शुरू हुआ। वर्ष 1991 में स्थापित लोहिया संयुक्त अस्पताल का विलय करने के लिए 27 अगस्त 2019 को शासनादेश जारी किया गया। वर्ष 2021 में अस्पताल का संस्थान में विलय कर दिया गया। इसके बाद संसाधन बढ़ने की उम्मीद थी, लेकिन अब भी सभी विभागों को डॉक्टर तक नहीं मिल सके हैं। भर्ती हुए डॉक्टरों में से भी कई संस्थान छोड़ रहे हैं।

नगर निगम के तीन संविदाकर्मी कर रहे थे लूट

लखनऊ , (संवाददाता)। नगर निगम जोन–5 में संविदा पर तैनात तीन सफाई कर्मचारी रेकी कर राहगीरों से लूट कर रहे थे। कृष्णानगर पुलिस ने मंगलवार को तीनों को गिरफ्तार कर लिया। चोरी की बाइक, लूटा हुआ पर्स और दस हजार रुपये बरामद हुए हैं। इंस्पेक्टर पीके सिंह के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी कनौसी निवासी कृष्ण कुमार, समीर कुमार उर्फ विशाल और सौरभ धानुक है। गिरोह का सरगना कृष्ण कुमार है। स्नेहनगर निवासी अपोलो श्रीवास्तव ने लूट का केस दर्ज कराया था। रविवार को अपोलो वीआईपी रोड पर मॉर्निंग वॉक कर रही थीं। तभी तीनों आरोपियों ने उनका पर्स लूट लिया था। मंगलवार को तीनों आरोपियों को पंडितखेड़ा के पास से पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि चार अप्रैल को पकरी पुल के पास से महिला से पर्स व 19 अक्तूबर को सेक्टर–डी में महिला की चेन लूटी थी। सारी वारदातें चोरी की बाइक से की थीं। बाइक 15 अक्तूबर को कानपुर के श्यामनगर से चोरी की थी। आरोपी लूट का माल कम दाम में राहगीरों को बेच देते थे।

चार समर स्पेशल गाड़ियों की संचालन अवधि बढ़ी

लखनऊ, (संवाददाता)। बिहार से दिल्ली आने–जाने वाली की सुविधा के लिए रेलवे ने चार स्पेशल ट्रेनों की संचालन अवधि बढ़ा दी है। अब यह नौ जुलाई तक चलेंगी। इसको लेकर उत्तर रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कुलदीप तिवारी की ओर से सूचना भी जारी कर दी गई है। जिन ट्रेनों की संचालन अवधि बढ़ाई गई है उनमें प्रत्येक बृहस्पतिवार को चलने वाली 04018 आनंद विहार टर्मिनल – मुजफ्फरपुर गाड़ी अब 10 जुलाई तक चलेगी। इसी तरह प्रत्येक शुक्रवार को चलने वाली 04017 मुजफ्फरपुर – आनंद विहार टर्मिनल गाड़ी 11 जुलाई तक चलेगी।

बच्चों के झगड़े में भिड़े दो पक्ष, पथराव

लखनऊ , (संवाददाता)। सआदतगंज के वेदन टोला में मंगलवार दोपहर बच्चों के विवाद में दो पक्षों में जमकर लाठी डंडे चले। पुलिस ने मामले को शांत कराया। शाम को फिर से झगड़ा हो गया और दोनों तरफ से पथराव हुआ। इसमें दोनों पक्ष से पांच लोग चोटिल हो गए। दोनों पक्षों ने केस दर्ज कराया है। वेदन टोला निवासी खुशनुमा का पांच साल का बेटा उबेद दोपहर में साथियों के साथ पड़ोसी सोनी के दरवाजे के बाहर बने रैंप पर खेल रहा था। सोनी ने उन्हें डांटकर भगा दिया। इससे नाराज खुशनुमा सोनी से झगड़ा करने लगी। दोनों पक्ष के परिजन इकट्ठा हो गए और लाठी डंडे चलने लगे। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा–बुझाकर शांत करा दिया। शाम पांच बजे फिर विवाद हो गया और ईंट गुम्मे चले। इसमें खुशनुमा पक्ष के एक किशोर, अकील व शमशाद घायल हो गए। पथराव में सोनी व उनकी पड़ोसी फेमिना खातून के भी चोटें आ गईं। खुशनुमा ने गोलू, सिराज, उवेश व मुस्सू के खिलाफ मारपीट व चाकू से हमला करने की तहरीर दी, जबकि सोनी ने शुएब, अकील, शमशाद व शादाब ने उनकी किराने की दुकान का सामान फेंक दिया और गल्ले से रुपए लूटने का आरोप लगाते हुए शिकायत की। एसआई आशीष बालियान ने बताया कि जांच की जा रही है।

करीबियों में युवक के हत्यारे की तलाश, घटनास्थल पर सक्रिय मिले फोन नंबर पर नजर

लखनऊ , (संवाददाता)। नगराम के कुबहरा गांव में रविवार रात घर से निकले महेश (35) की हत्या के मामले में नया मोड़ आ गया है। हत्या के पीछे किसी करीबी की भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस ने नामजद सात आरोपियों में से छह को हिरासत में लेकर पूछताछ की है। एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा के मुताबिक घटनास्थल पर रविवार रात में सक्रिय कुछ फोन नंबर के बारे में पता लगाया जा रहा है। जल्द ही वारदात का राजफाश कर दिया जाएगा। पुलिस ने महेश की कॉल डिटेल रिकॉर्ड भी निकलवाई है। सर्विलांस की टीम पूरे मामले की छानबीन कर रही है। महेश की रविवार रात में जिन लोगों से फोन पर बात हुई थी, उनका ब्योरा निकलवाया जा रहा है। पुलिस ने घटना स्थल से मिले शराब के बोतल के आधार पर खरीदारी करने वालों का भी पता लगा रही है। शराब की दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज भी खंगाली गई है। माना जा रहा है कि वारदात में एक महिला के अलावा दो अन्य लोग भी शामिल थे। पुलिस का कहना है कि अब तक की पूछताछ में नामजद आरोपियों की संलिप्तता के ठोस सुराग नहीं मिले हैं। हालांकि, सभी पहलुओं पर पड़ताल के बाद ही कुछ स्पष्ट हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि महेश का शव सोमवार सुबह गांव के बाहर सहजराम के खेत में पड़ा मिला था। बेल्ट से गला कसकर महेश की हत्या की गई थी। आरोप है कि तीन साल पहले गांव के सहजराम रावत ने आत्महत्या कर ली थी। सुसाइड नोट में उन्होंने महेश व उनकी पत्नी सुनीता को दोषी ठहराया था। मामले में जेल भेज गए महेश व सुनीता एक साल पहले रिहा हुए थे। परिजनों का आरोप है कि महेश की हत्या कर सहजराम की समाधि पर उनका शव रखा गया था। परिजनों ने सहजराम के बेटे लवकुश व अन्य परिजनों का आरोपी बनाया है। वारदात के पीछे बदले की भावना बताई गई है। सुनीता की तहरीर पर गांव के रामदीन रावत, उसके लड़के दीपू, लवकुश, लवकुश की मां विनीता, बहन रेशमा और गोसाईंगंज के कर्बला मीसा गांव निवासी सुरेंद्र कुमार के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर पुलिस पड़ताल कर रही है।

अस्थमा की सबसे बड़ी वजह धूम्रपान, प्रदूषण और फास्ट फूड

लखनऊ , (संवाददाता)। केजीएमयू में रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के प्रो. डॉ. राजीव गर्ग के मुताबिक अस्थमा की सबसे बड़ी वजह धूम्रपान, प्रदूषण और फास्ट फूड है। डॉ. गर्ग मंगलवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की ओर से लखनऊ शाखा पर अस्थमा दिवस पर हुई गोष्ठी में बोल रहे थे। प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि अस्थमा के प्रमुख लक्षण सांस फूलना, पसली चलना, सीने में भारीपन तथा बार–बार सर्दी जुकाम व खांसी होना है। उन्होंने पीएफटी (पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट) की जांच तथा इन्हेलर थेरेपी के बारे में मरीजों को बताया। आईएमए अध्यक्ष डॉ. सरिता सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तारी का डर दिखाकर कारोबारी से 10 लाख ठगे

लखनऊ, (संवाददाता)। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तारी का डर दिखाकर साइबर ठगों ने इंदिरानगर के पटेल नगर निवासी कारोबारी मुक्तेश्वर त्रिपाठी से 10 लाख रुपये ठग लिए। ठगों ने खुद को साइबर क्राइम का अफसर बताकर पीड़ित के नाम पर लोन लिया। फिर वही रकम अपने खाते में ट्रांसफर करा ली। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मुक्तेश्वर ने बताया कि 19 मार्च 2024 को दोपहर 2रू20 बजे अनजान नंबर से कॉल आई। फोनकर्ता ने खुद को फेडेक्स कूरियर कंपनी का कर्मी बताया। कहा कि उनके आधार व मोबाइल नंबर का इस्तेमाल कर 10 मार्च 2024 को पार्सल मुंबई से ईरान के लिए बुक किया गया है। पार्सल में आईसीआईसीआई के क्रेडिट कार्ड, ड्रग्स और कुछ अन्य सामान मिले हैं। मना करने पर ठग ने उनकी कॉल कथित साइबर क्राइम दफ्तर में ट्रांसफर कर दी। फिर दूसरे ठग ने अपना नाम इंस्पेक्टर प्रमोद सावंत बताया और कहा कि तुम्हारी आईडी से कई शहरों में बैंक अफसरों की मिलीभगत से खाते खोले गए हैं। बातों–बातों में मुक्तेश्वर से स्काइप एप डाउनलोड करा लिया। इसके बाद कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में देशभर से तीन सौ आईसीआईसीआई बैंक कर्मियों को गिरफ्तार किया गया है। अब तुम्हें भी पकड़ा जाएगा। ठग ने कहा कि यह केस डीएसपी मिलिंद भारवे के पास है। इसके बाद मिलिंद ने व्यापारी से कहा कि आरबीआई तुम्हारे बैंक खाते की निगरानी कर रहा है। जांच के लिए खाते में रकम ट्रांसफर करेगा। वही रकम साइबर क्राइम के खाते में भेजनी होगी। अगर खाते में रकम नहीं आती है तो सिद्ध हो जाएगा कि तुम मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दोषी हो। थोड़ी देर में पीड़ित के आईसीआईसीआई बैंक खाते में उनके नाम पर प्री अप्रूव्ड पर्सनल लोन के दस लाख रुपये आ गए। उन्होंने ठग के दिए गए दिल्ली के इंडसइंड बैंक खाते में दस लाख रुपये जमा कर दिए। इस पर ठग ने उन्हें दोबारा कॉल की और जांच होने पर एक घंटे में उनका नाम हटाकर एफआईआर कॉपी भेजने की बात कही। काफी समय बीतने पर ठग ने कॉपी नहीं भेजी तो मुक्तेश्वर ने सीए को घटना के बारे में बताया, तब उन्हें ठगी की जानकारी हुई। इंस्पेक्टर ब्रजेश कुमार यादव के मुताबिक मुक्तेश्वर ने ठगी होने पर बैंक में शिकायत की थी। कोई कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने दो मई को साइबर क्राइम थाने में शिकायत की। तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर छानबीन की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में प्रवेश के लिए आवेदन शुरू

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में संचालित डॉ. अंबेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (डीएसीई) में शैक्षणिक सत्र 2025–26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रवेश प्रक्रिया 20 मई तक ऑनलाइन चलेगी। इच्छुक विद्यार्थी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस केंद्र पर विशेष रूप से अनुसूचित जाति व अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी में मदद मिलती है। विश्वविद्यालय की प्रवक्ता डॉ. रचना गंगवार ने बताया कि डीएसीई की स्थापना केंद्र सरकार के सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय के तहत आने वाले डॉ. अंबेडकर फाउंडेशन की ओर से हुई थी। यह केंद्र बीबीएयू परिसर में कार्यरत है और इसकी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. शशि कुमार को सौंपी गई है। केंद्र के समन्वयक प्रो. शशि कुमार ने बताया कि इस केंद्र के माध्यम से चयनित विद्यार्थियों को यूपीएससी, यूपीपीएससी सहित अन्य उच्च स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी निशुल्क करवाई जाती है। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को प्रतिमाह वजीफा भी दिया जाता है। 100 सीटों पर लिए जाएंगे आवेदन इस वर्ष डीएसीई में कुल 100 सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन लिए जाएंगे। 20 मई के बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रवेश से जुड़ी सारी जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी अपलोड की गई है।

महिला असिस्टेंट प्रोफेसर पर सहायक प्रवक्ता ने की अभद्र टिप्पणी

लखनऊ, (संवाददाता)। ठाकुरगंज स्थित एक पीजी कॉलेज में तैनात असिस्टेंट प्रोफेसर ने सहायक प्रवक्ता प्रभास दीक्षित के खिलाफ अभद्रता करने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है। आरोप है कि छात्राओं पर भी सहायक अध्यापक ने आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसमें उसका साथी सुरेंद्र भी शामिल है। उसे भी नामजद किया गया है। महिला असिस्टेंट प्रोफेसर के मुताबिक मूलरूप से कानपुर के बर्रा का रहने वाला प्रभास दीक्षित इतिहास अनुभाग में सहायक प्रवक्ता है। आरोप है कि वह व सुरेंद्र अक्सर महिलाओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते हैं। उनके लिए भी कई बार अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया। 24 अप्रैल को लेक्चर लेने के बाद वह स्टाफ रूम में पहुंची, वहां प्रभास व सुरेंद्र बैठे थे। उन्हें देखते ही प्रभास ने कहा कि सांप व महिलाओं को तो देखते ही लाठी या जूते से मार देना चाहिए।

कुलपति ने परीक्षा केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों की चल रही सेमेस्टर परीक्षाओं के केन्द्रों का बुधवार को कुलपति प्रो वंदना

सिंह ने औचक निरीक्षण किया. उन्होंने परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी, बिजली और विद्यार्थियों के लिए पेयजल सुविधा को भी देखा. कहा कि पारदर्शी तरीके से परीक्षाओं को संपन्न कराये. उन्होंने कक्ष निरीक्षकों को निर्देशित किया कि विद्यार्थियों द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं में भरी जाने वाली सूचनाओं का मिलान अवश्य करे. जौनपुर जनपद के परीक्षा केंद्रों पर निरीक्षण के दौरान कुलपति ने परीक्षा व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया साथ ही विद्यार्थियों से परीक्षा के बारे में भी जानकारी ली. कुलपति के साथ निरीक्षण में परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह भी मौजूद रहे. परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि केडीएस पीजी कॉलेज जौनपुर, कौशिल्या महाविद्यालय पर प्रकाश व्यवस्था के लिए निर्देश दिए गए है, बिजली न होने की स्थिति में परीक्षा के दौरान जनरेटर चलाया जाये. इसके साथ ही मड़ियाहूं पीजी कॉलेज की परीक्षा का भी निरीक्षण किया. उन्होंने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था कार्यरत होनी चाहिए.।

विज्ञान संकाय के दो छात्रों ने सीएसआईआर नेट में हासिल की सफलता

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के विज्ञान संकाय के दो मेधावी छात्रोंकृविकास प्रजापति (माइक्रोबायोलॉजी विभाग) एवं अंकित कुमार मौर्य (बायोकेमिस्ट्री विभाग)कृने ब्ल्—छम्ज 2025 परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है। विकास

प्रजापति ने अखिल भारतीय स्तर पर 149वीं रैंक प्राप्त कर जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) श्रेणी में सफलता प्राप्त की, वहीं अंकित कुमार मौर्य ने असिस्टेंट प्रोफेसर श्रेणी में 81वीं रैंक हासिल की है। इससे पूर्व दोनों छात्रों ने ळ।ज्म 2025 परीक्षा भी सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की थी। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने दोनों छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि विज्ञान संकाय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं शोध के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. राजेश शर्मा ने इस सफलता को संकाय के शैक्षणिक वातावरण और छात्रों की सतत मेहनत का परिणाम बताया। डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. एस.पी. तिवारी, डॉ. संजीव मौर्य, डॉ. ऋषि श्रीवास्तव एवं अन्य शिक्षकों ने छात्रों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

आतंकी ठिकानों पर हमला करके सेना ने मृतकों को दी श्रद्धांजलि : दिनेश यादव फौजी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। देश का मस्तष्क कहे जाने जम्मूकृकश्मीर के पहलगाम में गत दिवस हुये आतंकी हमले से देशवासी शोकाकुल हो गये थे लेकिन भारतीय सेना ने बीती रात ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान सहित अगलकृबगल

पल रहे आतंकवादियों के कई ठिकानों पर हमला करके जहां आतंकवादियों को सबक सिखाते हुये पूरे विश्व में एक संदेश दिया, वहीं आतंकी हमले में मृतकों को श्रद्धा सुमन भी अर्पित कर दिया। उक्त बातें देश के विभिन्न सीमाओं पर तैनात रहकर दुश्मनों को छक्के छुड़ाने वाले दिनेश यादव फौजी ने बुधवार को पत्रकारों से हुई एक भेंट के दौरान कही। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय सेना द्वारा आतंकी ठिकानों पर किये गये हमले से यह संदेश जाता है कि अब आतंकवाद को बढ़ने नहीं दिया जायेगा। साथ ही मुंहतोड़ जवाब देते हुये देश की तीनों सेनाएं आतंकवाद के खिलाफ तैयार हो गयी हैं। उन्होंने कहा कि देश के दुश्मनों से भारतीय सेनाएं लड़ती हैं और उनके साथ देश की करोड़ों जनता खड़ी रहती हैं जिससे उनका आत्मबल मजबूत होता है। समस्त बहादुर सैनिकों द्वारा आतंकी ठिकानों पर किये गये हमले का अभिनन्दन करते हुये श्री यादव ने कहा कि मुंहतोड़ जवाब देकर सेना के जवानों ने भारत के सम्मान को आगे बढ़ाने का काम किया है।

ट्रक के चपेट में आने से बाइक सवार की दर्दनाक मौत

कुशीनगर, (संवाददाता)। जनपद के पटहेरवा थाना क्षेत्र के फोरलेन स्थित काजीपुर चौराहे पर मंगलवार की सुबह एक बाइक सवार ट्रक के नीचे आ गया। बाइक सवार की घटना स्थल पर ही मौत हो गयी तथा उसका शव सड़क पर कई टुकड़ों में बट गया। घटना के बाद ट्रक चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पी एम के लिए भेज ट्रक थाने ले गयी है। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के फोरलेन स्थित काजीपुर चौराहे पर मंगलवार की सुबह बाइक पर कुछ सामान ।

किसी भी आपदा से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने किया मॉकड्रिल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक के बीच बुधवार को पुलिस लाइन में आपदा से निपटने के लिए रिहर्सल शुरू हुई। आम जनमानस को एयर अटैक और बमबारी से बचने की ट्रेनिंग दी गई। हमले के बाद सायरन बजाकर लोगों को अलर्ट किया गया।मॉकड्रिल की आखिरी में भूतपूर्व सैनिकों व वहां मौजूद पुलिस प्रशासन ने भारत माता की जय और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। मॉक ड्रिल के दौरान बमबारी—भगदड़ का सीन क्रिएट किया गया। सिविल डिफेंस टीम को बताया गया कि बमबारी हुई है और भगदड़ मच गई है। कई लोग घायल हो गए हैं। पुलिस जवान के साथ लोग घायलों को घटनास्थल से बाहर निकालकर मेडिकल पोस्ट पर लाते हैं। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया जाता है। पुलिस लाइन में मॉक ड्रिल का रिहर्सल किया गया था। जिसमें सिविल डिफेंस के लोग सायरन बजते ही जमीन पर लेट गए और हाथों से अपने दोनों कान बंद कर लिए था। गोली लगने या हमलों के दौरान क्या किया जाए, इसकी ट्रेनिंग भी आम लोगों को दी गई थी। इस संबंध मे जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निर्देश पर उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर हॉस्टल अटैक किसी प्रकार की संभावित घटनाओं को देखते हुए हमें अपनी और जनपद की तैयारी को लेकर मापने के लिए मॉडल की कार्रवाई की गई है इसमें जनपद स्तर के सभी सेवा के कर्मचारी करनाल आलोक सहित तमाम अधिकारी मिलकर इस काम में लगे हुए हैं हमारी तैयारियां पूरी हैं इस तैयारी में सिविलियन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान होता है इसको देखते हुए हम लोगों ने आज सफलतापूर्वक मॉक ड्रिल किया गया है ।आदमी को किसी दुर्घटना में रिस्क में कैसे बचाया जा सकता है चिकित्सा स्वास्थ्य सुरक्षा और संयम के साथ हर प्रकार की चुनौतियों का सामना करना है। यहां कोई घटनाएं नहीं आएगी केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार के निर्णय क्या होते हैं इसके बारे में हमें कोई जानकारी नहीं होती है हमें हर समय तैयार रहने की आवश्यकता है ।जौनपुर में स्थिति नियंत्रण में है कहीं किसी प्रकार की कोई कठिनाई और दिक्कत नहीं है यदि राष्ट्र की बात आ जाए तो भारत का बच्चा—बच्चा सभी एक साथ खड़े हैं चाहे वह कोई भी हो। वही इस मामले में पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कौस्तुभ ने बताया कि एयर रिट्ज के दौरान लोगों को किन—किन चीजों से सुरक्षा रखनी है किस तरह से सुरक्षा का आदान—प्रदान करना है इस संबंध में पुलिस की मॉडल की गई है बहुत ही अच्छे ढंग से पूरे समय के साथ जिसमें हमारे फायर के लोग मेडिकल विभाग के लोग और एनसीसी के लोग पुलिस के साथ लगे हैं और इतना अच्छा समन्वय बहुत कम ही देखने को मिलता है जैसा आज सभी लोगों ने एक साथ मिलकर मॉडल किया है जिस मॉक ड्रिल को करने में प्रत्येक में आधे घंटे का समय लगता है वह मॉडल आज 5 मिनट के अंदर सभी के द्वारा किया गया है। इस काम में चार विभिन्न विभाग लगे हुए थे जिन्होंने दिखाया कि हम पूरी तरह से इस कार्य में निपुण है पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार है हमारे इनफॉरमेशन के चौनल पूरी तरह से तैयार हैं अगर कोई इस तरह की अपॉर्चुनिटी आती है तो हम पूरी तरह से तैयार हैं।

बस्ती जनपद के 160 वे स्थापना दिवस पर संगोष्ठी में विमर्श

बस्ती, (संवाददाता)। मंगलवार को वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा के संयोजन में बस्ती जनपद का 160 वां स्थापना दिवस संगोष्ठी के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ चिकित्सक, साहित्यकार डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि बस्ती स्वयं में आध्यात्म, साहित्य और प्रगति के विविध आयाम समेटे हुये है। सन् 1801 में बस्ती तहसील मुख्यालय बना और फिर 6 मई 1865 को जनपद मुख्यालय बनाया गया। इसके बाद सन् 1988 में उत्तरी हिस्से को काटकर सिद्धार्थनगर जिला बनाया गया जिसे पहले डुमरियागंज नाम से जाना जाता था, इस जिले में बांसी और नौगढ़ भी आते हैं, यहां कपिलवस्तु भी हैं, जहां बुद्ध ने अपने जीवन के शुरुआती समय व्यतीत किये थे, यहां से 10 किलोमीटर पूर्व लुंबनी में बुद्ध का जन्म हुआ था। कहा कि बस्ती स्वयं में कई संस्कृतियों को समेटे हुये है।

सामाजिक कार्यकर्ता कृष्णदेव मिश्र, समिति के अध्यक्ष बी.एन. शुक्ल ने बस्ती के इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डाला। ने कहा कि कभी 'भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने कहा था कि बस्ती को बस्ती कहूं तो काको कहूं उजाड़' आज यही बस्ती निरन्तर विकास की ओर है। कहा कि बस्ती का इतिहास बहुत समृद्ध है और मखौड़ा, छावनी शहीद स्थली के साथ ही अनेक पौराणिक स्थल हैं जो इसकी पहचान है। कहा कि सन् 1997 में पूर्वी हिस्से को काटकर संतकबीरनगर जिला बनाया जिसे खलीलाबाद के नाम से भी जाना जाता है, यहां महात्मा कबीर ने प्राण त्यागे थे। इसके बाद जुलाई 1997 में बस्ती मंडल मुख्यालय बना दिया गया। फिलहाल इस मंडल में बस्ती, संतकबीरनगर और सिद्धार्थनगर जनपद आते हैं। जनपद निरन्तर प्रगति की ओर है ।कार्यक्रम संयोजक वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा ने कहा कि बस्ती का इतिहास जहां समृद्ध है वहीं वर्तमान प्रगति की ओर है। प्राचीन काल में बस्ती को भगवान राम के गुरु वशिष्ठ ऋषि के नाम पर वाशिष्ठी के नाम से जाना जाता रहा। कहा जाता है कि उनका यहां आश्रम था, अंग्रेजों के जमाने में जब यह जिला बना तो निर्जन, वन और झाड़ियों से घिरा था, लोगों के प्रयास से यह धीरे—धीरे बसने योग्य बन गया। बस्ती जनपद के 160 वां स्थापना दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' पं. बी.के. मिश्र, ओम प्रकाश धर द्विवेदी, डा. वाहिद सिद्दीकी, डा. अफजल हुसेन अफजल, राघवेन्द्र शुक्ल, डा. विकास भट्ट, अजीत श्रीवास्तव, सुशील सिंह पथिक, डा. राजेन्द्र सिंह राही, पं. सदानन्द शर्मा, जगदम्बा प्रसाद भावुक, आचार्य छोटेलाल वर्मा सुशील सिंह पथिक, बालकृष्ण चौधारी एडवोकेट आदि ने बस्ती के इतिहास पर रोशनी डाली ।कार्यक्रम में मुख्य रूप से लालजी पाण्डेय, कृष्णचन्द्र पाण्डेय, दीनानाथ यादव, सामईन फारूकी, नेबूलाल चौधरी, श्रीकान्त तिवारी, रामयज्ञ मिश्र, गणेश प्रसाद, राजेन्द्र प्रसाद बरनवाल, प्रदीप श्रीवास्तव एडवोकेट के साथ ही अनेक लोग उपस्थित रहे।

विकासशील उद्योग व्यापार एसोसिएशन के मण्डल अध्यक्ष बने ईष्टदेव

बस्ती, (संवाददाता)। विकासशील उद्योग व्यापार एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव आनन्द जायसवाल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश सिंह रघुवंशी की संस्तुति पर ईष्टदेव पाण्डेय को बस्ती मण्डल का मण्डलीय जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है ।ईष्टदेव पाण्डेय को विकासशील उद्योग व्यापार एसोसिएशन का मण्डल अध्यक्ष बनाये जाने पर अनेक सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, व्यापारी नेताओं ने प्रसन्नता व्यक्त किया है। एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धेश कुमार ने कटेश्वर पार्क के निकट ईष्टदेव पाण्डेय का स्वागत करते हुये कहा कि निःसन्देह उनके नेतृत्व में व्यापारियों की आवाज मुखर होगा, उत्पीड़न रूकेगा और समस्याओं के हल निकलेंगे। यह जानकारी देते हुये एसोसिएशन जिलाध्यक्ष आशीष स्वामी उर्फ कल्लू बाबा ने बताया कि ईष्टदेव पाण्डेय को विकासशील उद्योग व्यापार एसोसिएशन का मण्डल अध्यक्ष बनाये जाने पर पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी, भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्रा, महेश शुक्ल, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पवन कसौधन, ओमप्रकाश ठाकुर, सतीश सोनकर, राजन ठाकुर, विकास चौधरी, विकास बरनवाल, मनोज गुप्ता, राजन सोनी, रामकुमार साहू, अशोक गुप्ता, दिनेश गुप्ता, रामकुमार पाण्डेय, सत्यव्रत दूबे, बृजबिहारी, रमेश सिंह, लक्ष्मी नारायण, राम सुरेश, चमन कुमार, ब्रम्हर्षि उपाध्याय, चक्रपाणि दूबे, बब्लू गुप्ता, शुभम गुप्ता, रजत गुप्ता, बहरैची, रतन निषाद के साथ ही भाजपा और अनेक सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

शीघ्र ही दिव्यांग जनों के लिए सहारा होगा मानसिक मंदित आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केंद्र

अयोध्या ।शीघ्र ही जिले मे निराश्रित लावारिस तथा विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर घूमने वाले दिव्यांगों को व्यावहारिक रुप से प्रशिक्षण देने के लिए मानसिक मंदित आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केंद्र खोला जायेगा ।जिसकी कवायद संबंधित विभाग शुरु कर दिया है ।इसके साथ ही साथ यहां पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले दिव्यांगों को रहने के लिए आवास की भी व्यवस्था की जा रही है ।क्योंकि जिले में पहली बार दिव्यांगों के लिए इस तरह की पहल की जा रही है ।इस संबंध में जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने बताया इसके लिए तहसील बीकापुर के मुकीमपुर पहाड़पुर शाहगंज में 4000 वर्ग मीटर जमीन का चयन भी हो चुका है ।जिस पर निर्माण कार्य भी शुरू हो गया है ।बताया कि इस प्रशिक्षण केंद्र पर पर्याप्त संख्या में प्रशासनिक भवन,दिव्यांगों के अध्ययन करने के लिए कक्ष सहित अन्य भवनों का निर्माण

किया जाएगा ।बताया कि इसके साथ ही साथ वहां पर प्रशिक्षण लेने वाले दिव्यांग प्रशिक्षार्थियों के रहने के लिए आवासीय कच्छ का निर्माण भी किया जा रहा है जिसमें 50 कमरे रहेंगे। जिसका निर्माण कार्य बहुत तेजी से चल रहा है ।बताया कि अगर निर्माण कार्य ठीक—ठाक चले तो अगले साल जून 2026 तक यह प्रशिक्षण केंद्र बनकर तैयार हो जाएगा ।इस सहायता केंद्र के बनने से शहर के रेलवे स्टेशन,बस स्टैंड नगर निगम के साथ—साथ अन्य प्रमुख स्थान बाजारों पर लावारिस अवस्था में घूम रहे दिव्यांग जनों को काफी सहारा मिलेगा।

एस आर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट में मनाया गया मिशन सिंदूर की सफलता का जश्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बीकेटी स्थित एस आर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में मिशन सिंदूर की सफलता के उपलक्ष्य में छात्रों ने भारतीय तिरंगे और मिशन सिंदूर के पोस्टर के द्वारा भारतीय सेना के प्रति अपना समर्पण प्रेम दर्शाया। पहलगाम में आतंकीयो द्वारा किए गए घिनौने कृत्य का बदला भारत ने सूद समेत बदला लिया है। ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ जगहों पर हमला किया। मंगलवार आधी रात भारतीय सेनाओं ने पीओके में घुस कर आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाया। एस आर ग्रुप ऑफ इंस्टीटयूट के छात्र छात्राओं ने कहा कि हमे बेसब्री से इंतजार था कि पहलगाम में हुए हमले का हमारी सरकार हमारी सेना कब बदला लेगी और अब वो इंतजार खत्म हुआ। हम सभी भारतीय सेना को शत शत नमन करते हैं उनके इस साहस के लिए।

एस आर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के वाईस चेयरमैन पीयूष सिंह चौहान ने इस खास मौके पर कहा कि हमे गर्व है अपनी सेना पर जिसने पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लिया और ढेरों आतंकियों का सफाया किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने साफ संदेश दिया था कि पहलगाम हमले में आतंकियों ने हमारी कई महिलाओं को विधवा किया और पुरुषों को मारकर सिंधूर हटाया है। हमें इसका जवाब देते हुए बड़ी कार्रवाई करनी है। पीएम ने इसी कारण इस सैन्य ऑपरेशन का नाम शमिशन सिंदूरश रखा था। और यह नाम सेना के शौर्य की वजह से सार्थक हो गया।

पाकिस्तान की नापाक साजिशों का मुँह तोड़ जवाब दिया जाए – मौलाना सफदर हुसैन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के ठिकानो पर ऑपरेशन सिंदूर एयर स्ट्राइक का स्वागत करते हुए धर्मगुरु मौलाना सफदर हुसैन जैदी ने बुधवार को हिन्दुस्थान समाचार प्रतिनिधि से बात करते हुए कहाकि हमारी बहादुर फौज ने ऑपरेशन सिंदूर एयर स्ट्राइक कर के आतंकवादियों के ठिकानों को तबाह किया है ,ये मुल्क के लिए गर्व और इत्मिनान का सबब है। हम सभी देशवासी इस कामयाबी पर हूकूमत और भारतीय सेना को दिल से मुबारकबाद पेश करते हैं , इसके लिए हम भारतीय सेना को सैल्यूट करते है । मौलाना सफदर हुसैन जैदी ने कहाकि यह जरूरी

था कि पाकिस्तान की नापाक साजिशों का मुँह तोड़ जवाब दिया जाए, और हमारी जाबांज फौज ने यह काम बहुत ही बेहतरीन अंदाज में अंजाम दिया है । इससे न सिर्फ दुश्मन के हौसले पस्त हुए हैं, बल्कि मुल्क भर के लोगों का सर भी फख्र से बुलंद हो गया है । उन्होंने कहाकि हुकूमत इस बात का एहसास रखती है कि आवाम ने हर मुश्किल वक्त में फौज का साथ दिया है, और इस बार भी उन्होंने हिम्मत और इत्मिनान का मुजाहिरा किया है , यह हमारी कधैमी यकजेहती और बहादुरी की जिंदा मिसाल है । हम अपने मुल्क के उन बहादुर जांबाजों को भी सलाम करते हैं जिन्होंने वतन की इज्जत और हिफाजत के लिए अपनी जान दी है। जिनकी कर्ुर्बानियों के नतीजे में आज सारी दुनिया में हमारा मुल्क आजादी और सलामती का प्रतीक बना हुआ है। दुनिया हमारे मुल्क को इज्जत की नजर से देखती है , उनकी कर्ुर्बानियाँ हमेशा याद रखी जाएँगी ।

मेधावी छात्र—छात्राओं का हुआ सम्मान, एसपी नीरज कुमार जादौन ने पढ़ाया अनुशासन और ट्रैफिक नियमों का पाठ

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) मंगली पुरवा फाटक स्थित श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल में बुधवार को एक प्रेरणादायी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा, हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा 2025 तथा ट्रैफिक रूल्स पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र—छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन रहे, जिन्होंने मेधावी बच्चों को प्रशस्ति पत्र, शील्ड एवं मेडल प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। भारत माता के जयघोष के साथ शुरू किए अपने संबोधन में एसपी श्री जादौन ने विद्यार्थियों को अनुशासन, नियमित अध्ययन और संस्कारों का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि "बिना बहानेबाजी के नियमित स्कूल आना और पढ़ाई में निरंतरता ही सफलता की कुंजी है।" उन्होंने ट्रैफिक नियमों का पालन करने की प्रेरणा देते हुए बताया कि हेलमेट

और सीट बेल्ट न सिर्फ कानून का पालन हैं बल्कि जीवन सुरक्षा की ढाल हैं। उन्होंने 'जान है तो जहान है' जैसे संदेशों के माध्यम से बच्चों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया ।कार्यक्रम में छात्रा अपूर्वा सिंह व जिज्ञासा सिंह ने ट्रैफिक नियमों पर प्रभावशाली वक्तव्य व कविता प्रस्तुत की,। बच्चों द्वारा "रेड रुको, येलो रेडी, ग्रीन चलो" गीत ने उपस्थित जनसमूह को ट्रैफिक संकेतों के प्रति सजग किया। बच्चों ने स्वागत गीत के माध्यम से मुख्य अतिथि का अभिवादन कर वातावरण को आत्मीयता से भर दिया ।समारोह में बच्चों का आत्मविश्वास, संस्कार और सुरक्षा के प्रति सजगता देखने को मिली, जो जनपद की उज्ज्वल और सुरक्षित भावी पीढ़ी का संकेत है। इस अवसर पर भाजपा नेता मुकुल सिंह आशा, विद्यालय के प्रबंधक मुकेश सिंह, प्रधानाचार्य भूमिका सिंह, लक्ष्मी देवी सहित शिक्षिकाएँ कविता गुप्ता, अर्पिता सिंह, मंशा बाजपेई, आरती वर्मा, सोनी तिवारी, प्रज्ञा त्रिवेदी, ऐश्वर्या सिंह, कोमल यादव, आरती मिश्रा, वर्तिका शुक्ला, राखी गुप्ता, शिवांगी गुप्ता, विनीता त्रिवेदी, निकिता वर्मा , मानसी मिश्रा, करिश्मा वर्मा, शालिनी पाल, रंजना , राम प्रकाश पांडे, संजय कुमार गुप्ता, अभिनव सिंह आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन संस्थापक अखिलेश सिंह ने किया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार—पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।